पेंच टाइगर रिजर्व वन्य जीवों की कत्लगाह बना

(कार्यालय संवाददाता)

जबलपुर. 'जबलपुर नेचर क्लब' और 'द जंगलीज' कलकत्ता के सदस्यों ने आरोप लगाया है कि सिवनी एवं छिंदवाड़ा जिले में स्थित पेंच टाइगर रिजर्व मूक वन्य प्राणियों की कत्लगाह बन गया है. पेंच टाइगर रिजर्व शेर, तेंदुआ, गौर तथा अन्य वन्य जीव व वनस्पतियों को अतिरिक्त संरक्षण प्रदान करने हेतु हाल ही में प्रोजेक्ट टाइगर के अंतर्गत शामिल की गयी है. लेकिन यहां इन बहुमूल्य जीव-जंतुओं के संरक्षित होने के कोई प्रमाण नहीं मिल रहे हैं.

दोनों संस्थाओं के सदस्यों ने हाल ही में इस क्षेत्र का भ्रमण करने के उपरांत बताया कि जंगल में काफी निराशाजनक तथ्य सामने आये. पिछले कई वर्षों से यहां बसे आदिवासियों द्वारा बेरहमी से वन्य जीवों का शिकार किया जा रहा है. विगत तीन वर्षों में बिजली के तार द्वारा 2 शेर, एक भालू एवं एक गौर की हत्या इन

'जबलपुर नेचर क्लब' व 'द जंगलीज' कलकत्ता के सदस्यों का आरोप

आदिवासियों द्वारा की गयी. इतने की तो केवल जानकारी है अन्यथा आदिवासियों ने और भी कई वन्य जीवों का शिकार किया है.

अचरज की बात यह है कि ये सब हत्यायें लगभग एक ही स्थान के आसपास हुई हैं और ये स्थान करमाझरी रेस्ट हाऊस (जहां पर विभाग का कार्यालय भी है) से मात्र 2 कि.मी. की दूरी पर है.

संस्था के सदस्यों द्वारा उस स्थान का भी जायजा लिया गया जहां हाल ही में बिजली के तार द्वारा एक जवान शेर की हत्या की गई थी. पूछताछ के दौरान पता चला कि हत्यारों का कोई भी सुराग वन विभाग के पास नहीं है और भी न जाने कितने जानवरों की हत्या का पता अभी तक चल नहीं पाया है और जो भी कर्मचारी ईमानदारी से अपना कर्तव्य निभाने की कोशिश कर रहे हैं, उन्हें जानलेवा धमकियां मिल रही हैं. कुछ ही महीने पहले तार बिछाने के दौरान एक शिकारी की जान चली गई थी और उसके साथी पुलिस की गिरफ्त में आ गये थे. लेकिन वे छूटकर पुनः आजाद घूम रहे हैं. कर्मचारियों का काफी वक्त सरकारी मेहमानों की आवभगत में गुजरता है. इससे पार्क में निगरानी में कमी आ रही है. इन सब स्थितियों का फायदा शिकारी उठा रहे हैं. इस रिवर्ज का भविष्य अंधकार में डूबता जा रहा है.

संस्थाओं ने कहा है कि यदि शीघ्र ही उचित कदम न उठाया गया तो इस बहुमूल्य संपदा से हाथ धोना पड़ सकता है.